



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 324]
No. 324]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 24, 2007/कार्तिक 2, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 24, 2007/KARTIKA 2, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 2007

सं. 74 (आर ई-2007)/2004—2009

फा. सं. 01/92/180/232/ए एम 07/पी सी-2.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विदेश व्यापार महानिदेशक एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

“(1) डीटीए यूनिट के ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी यूनिट (परिशिष्ट 14-I-ज) में परिवर्तन के लिए दिशानिर्देश इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक क के रूप में संलग्न है।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

आर. एस. गुजराल, विदेश व्यापार महानिदेशक एवं पदेन अपर सचिव

अनुलग्नक क

परिशिष्ट 14-I-ज

घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) यूनिट के निर्यातानुमुख यूनिट(ईओयू)/इलेक्ट्रानिक हाईवेयर टैक्नालॉजी पार्क (ईएचटीपी)/सॉफ्टवेयर टैक्नालॉजी पार्क (एसटीपी)/बायो-टैक्नालॉजी पार्क (बीटीपी) यूनिट में परिवर्तन के लिए दिशा निर्देश

टिप्पणी : कृपया प्रक्रिया पुस्तक का पैरा 6.37.1 देखें

ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी यूनिट में परिवर्तित किए जाने की इच्छुक डीटीए यूनिटें ऐसे परिवर्तन के लिए निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन करेंगे :—

(1) सम्बन्धित विकास आयुक्त (डीसी) को नई यूनिटों के लिए यथा लागू तरीके में आवेदन करें।

(2) विकास आयुक्त से परियोजना का अनुमोदन प्राप्त करने और अनुमति पत्र प्राप्त करने के बाद, विकास आयुक्त के साथ निर्धारित प्रपत्र में विधिक वचनबद्धता का निष्पादन करें।

(3) तत्पश्चात्, ख-17 बंध पत्र के निष्पादन सहित सम्बन्धित सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों को निजी बांडेड लाइसेंस के लिए आवेदन करें।

जहाँ अग्रिम प्राधिकार पत्र को निष्क्रिय किया जाना है

(3.1) यदि एकक अग्रिम प्राधिकार स्कीम के अधीन उत्कृष्ट निर्यात प्रतिबद्धता दर्शाता है तो सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों से बंध पत्र के निष्पादन से पहले निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाता होगा :

(i) सम्बन्धित सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी से सम्पर्क करें और सभी अग्रिम प्राधिकार पत्रों (जो अभी तक निष्क्रिय नहीं हुए हैं) और निर्यातोन्मुख एकक को भेजे जाने वाले ऐसे कच्चे माल के मदे भंडार में रखे अप्रयुक्त माल की वास्तविक जांच को दर्शाने वाला प्रमाण प्राप्त करें।

(ii) निम्नलिखित दस्तावेजों की एक प्रति के साथ क्षेत्रीय प्राधिकारी से सम्पर्क करें—

(क) विकास आयुक्त के साथ निष्पादित अनुमति पत्र/विधिक वचनबद्धता,

(ख) सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कार्यालय से प्राप्त भण्डार की जाँच का प्रमाण पत्र,

(ग) क्षेत्रीय प्राधिकारी के साथ निष्पादित विधिक वचनबद्धता यथा संलग्न,

(घ) निर्धारित खपत रजिस्टर के अनुसार सभी अग्रिम प्राधिकार पत्रों और प्रयुक्त/शेष माल के मदे किए गए आयातों/निर्यातों का ब्यौरा।

फर्म को सम्बन्धित क्षेत्रीय प्राधिकारी को मूल प्राधिकार पत्र और सम्बन्धित निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

(iii) क्षेत्रीय प्राधिकारी लागू मानदण्डों के अनुसार अपूर्ण निर्यात दायित्व की गणना करेगा। यदि मानदण्ड निर्धारित नहीं किए गए हैं तो क्षेत्रीय प्राधिकारी इसके निर्धारण के लिए मानदण्ड समिति से सम्पर्क करेगा। अग्रिम प्राधिकार पत्र की वैध निर्यात दायित्व अवधि के भीतर ऐसे निर्यात निष्पादन का आकलन किया जाएगा।

(iv) क्षेत्रीय प्राधिकारी इसके बाद विकास अधिकारी और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी को आवेदक एकक को पृष्ठांकन सहित 'अनापत्ति' की सूचना देगा।

(v) ख-17 बंध पत्र के निष्पादन के लिए एकक सीमाशुल्क/केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी से सम्पर्क करेगी।

(vi) केवल वैध निर्यात दायित्व अवधि वाले अग्रिम प्राधिकार पत्र के अधीन प्राप्त कच्चे माल को ही आगे ले जाया जाएगा।

जहाँ निर्यात दायित्व की अवधि समाप्त हो चुकी है, अपूर्ण निर्यात दायित्व के अनुपात में यथा लागू शुल्क ब्याज और जुर्माने का भुगतान करना ही एक मात्र विकल्प है।

(vii) क्षेत्रीय प्राधिकारी तदनुसार पहले से जारी सभी अग्रिम प्राधिकार पत्रों के मदे निष्पादित बंध पत्र/विधिक वचनबद्धता की निष्क्रियता और दायित्व के निष्पादन हेतु मामले पर कार्यवाही करेगा।

ईपीसीजी प्राधिकार पत्र

(4) ईपीसीजी स्कीम के अधीन यदि कोई बकाया निर्यात प्रतिबद्धता है तो इसे निर्यातोन्मुख यूनिट के आयातित पूंजीगत माल के मूल्य को जोड़कर भावी निर्यात दायित्व में जोड़ा जाएगा तथा ईपीसीजी के तहत जोड़े गए मूल्य पर सभी विगत दायित्वों को समाप्त माना जाएगा।

अनुलग्नक

डीटीए यूनिट को इओयू में बदलने हेतु कानूनी वचनबद्धता का प्रपत्र

मैसर्स.....के निर्माण एवं निर्यात हेतु अग्रिम/ईपीसीजी प्राधिकार पत्र संख्या.....दिनांक.....प्रदान किया गया था, अन्य शर्तों के साथ-साथ यह शर्त भी लगाई गई थी कि वे शुल्क छूट/ईपीसीजी स्कीम के प्रावधानों के तहत अपेक्षित निर्यात दायित्व प्राप्त कर लेंगे।

उपरोक्त प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने हेतु यूनिट ने बैंक गारंटी/कानूनी वचनबद्धता सहित एक बाण्ड सीमाशुल्क आयुक्त के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया था।

उपरोक्त प्रतिबद्धताओं के मद्दे, यूनिट का वास्तविक निष्पादन निम्नलिखित रहा :—

वर्ष	आयात	निर्यात
	पूँजीगत माल	कच्चा माल

यूनिट ने शुल्क छूट/ईपीसीजी स्कीम से ईओयू स्कीम में बदलने हेतु आवेदन किया था जिसे पत्र संख्या दिनांक द्वारा मंजूरी अन्य शर्तों के साथ-साथ इस शर्त के मद्दे दी गई थी कि अनुमोदन की शर्तों को पूरा न किए जाने की स्थिति में विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत उपयुक्त प्राधिकार द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करना होगा।

डीटीए से ईओयू स्कीम में बदलने हेतु अनुमोदन के मद्दे, मैं/हम एतद्द्वारा शपथ लेते हैं—

(i) कि मैं/हम ईओयू में बदलने के बाद भी उपरोक्त प्राधिकार-पत्र की शर्तों को पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध रहेंगे।

(ii) कि मैं/हम अनुमोदन की शर्तों को पूरा न कर पाने की स्थिति में विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत विकास आयुक्त द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करेंगे।

(iii) कि मैं/हम यदि कोई जुर्माना लगाया जाता है, के भुगतान के तरीके का अनुपालन करूंगा/करेंगे और बिना किसी आपत्ति या विरोध के अपेक्षित समय सीमा के भीतर विदेश व्यापार महानिदेशक को इस जुर्माने का भुगतान करूंगा/करेंगे।

यूनिट के पूरे पते के साथ पूर्ण एवं
विस्तृत विवरण

यूनिट के साक्ष्य के रूप में जहां पर इसने इस समझौते को 200 की
तारीख को निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षरित, मोहरबंद एवं सौंपा गया है :

1. नाम
पता
2. नाम
पता

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मेरे द्वारा स्वीकृत (किसी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट/नोटरी पब्लिक द्वारा सत्यापित/पुष्टि की जानी है)

उप/संयुक्त महानिदेशक विदेश व्यापार''

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Directorate General of Foreign Trade)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 24th October, 2007

No. 74 (RE-2007)/2004—2009

F. No. 01/92/180/232/AM 07/PC II.—In exercise of power conferred under paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures (Vol-I):

“(1) Guidelines for conversion of DTA unit into EOU/EHTP/STP/BTP unit (Appendix 14-I-O) is annexed as Annexure A to this Public Notice”.

This issues in Public interest.

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade and ex-officio Addl. Secy.

Annexure A

APPENDIX 14-I-O

Guidelines for Conversion of Domestic Tariff Area (DTA) Unit into Export Oriented Unit (EOU)/ Electronic Hardware Technology Park (EHTP)/ Software Technology Park (STP)/ Bio-Technology Park (BTP) Unit

Note: Please see paragraph 6.37.1 of the Handbook of Procedures

DTA units intending to get converted into EOU/EHTP/STP/BTP unit will follow the procedure as below for such conversion:—

- (1) Apply to concerned Development Commissioner (DC) in a manner as applicable to new units.
- (2) After getting approval of the project and obtaining Letter of Permission (LOP) from DC, execute Legal Undertaking (LUT) in prescribed format with DC.
- (3) Thereafter, apply for private bonded licence to concerned Customs/Central Excise authority with execution of B-17 Bond.

WHERE ADVANCE AUTHORISATION IS PENDING REDEMPTION

(3.1) If the unit is having outstanding export commitment under advance authorization scheme, following procedure before execution of Bond with Customs and Central Excise Authority need to be adopted:

(i) Approach concerned Customs and Central Excise Authority and obtain certificate showing physical verification of unutilized material held in stock against all advance authorizations (not yet redeemed) and such raw material as intended to be carried forward to EOU;

(ii) Approach Regional Authority along with a copy of the following documents :

- (a) LOP/LUT executed with DC.
- (b) Certificate of stock verification obtained from Customs/Central Excise.
- (c) LUT with RA as annexed.
- (d) Details of import/exports against all advance authorizations and utilized/balance materials as per prescribed consumption register.

The firm must submit original authorizations and connected documents of exports to concerned R.A.

(iii) RA, will calculate unfulfilled export obligation, as per prevailing norms. In case norms are not fixed, R.A. will take up with Norms Committee for its fixation. Such export performance would only be taken into account, as within valid export obligation period of Advance Authorization;

(iv) R.A. will thereafter communicate "No objection" to DC and Central Excise Authority with endorsement to applicant unit;

(v) The unit will approach the Customs/Central Excise Authority for execution of B-17 bond;

(vi) Raw material obtained under Advance Authorization, which is having valid export obligation period can only be carried over;

Where export obligation period has expired, only course available is payment of duties, interest and penalty as applicable, proportionate to unfulfilled export obligation;

(vii) RA would accordingly process case for discharge of obligation and redemption of bond LUT executed against all the advance authorizations issued already.

EPCG Authorization:

(4) In case there is an outstanding export commitment under EPCG Scheme, it will be added to future export obligation by adding value of capital goods to the imported capital goods value of the EOU and all previous obligations under EPCG would cease to exist on such inclusion.

ANNEXURE

FORM OF LEGAL UNDERTAKING FOR CONVERSION OF DTA UNIT INTO EOU

M/s..... were granted Advance/EPCG Authorization Nos. dated..... for manufacture and export of..... subject, inter-alia, to condition that they would achieve required export obligation as per provisions of Duty exemption/EPCG Scheme.

The unit filed a Bond with Bank Guarantee/legal undertaking with President of India through Commissioner of Customs for achieving the above mentioned commitments.

As against above commitments, the unit's actual performance has been as under:—

Year	Import	Export
	CG	RM

The unit applied for conversion from Duty Exemption /EPCG scheme to EOU Scheme which was approved vide letter No..... dated subject inter-alia to the condition that penalty imposed by appropriate Authority under the F. T. (D&R) Act, 1992 for non- fulfilment of the conditions of approvals would be paid.

In view of the approval for conversion from DTA to EOU Scheme, I/We..... hereby undertake as under :

(i) That I/We..... shall continue to be under obligation to fulfil the conditions of above authorization even after getting converted into EOU

(ii) That I/We shall pay whatever penalties are imposed by the Development Commissioner under FT(DR) Act for non-fulfilment of the terms and conditions of Authorization

(iii) That I/We..... shall adhere to the mode of payment of penalties, if any, and time frame in which penalties are required to be paid to the Director General of Foreign Trade without any demur or protest.

Full and expanded description
of the unit with full address.

IN WITNESS WHEREOF the unit hereto has duly executed this agreement

on this..... day of
..... 200..... signed, sealed and delivered by the unit in the presence of :

1. Name

Address

2. Name

Address

(To be authenticated/affirmed by 1st class Magistrate/Notary Public)

Accepted by me on behalf of the President of India.

Dy. / Jt. DGFT"

4315 GE/07-2